

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के पितामह थे वीर सावरकर: उदय महुकर

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्व-विद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के राजनीति विज्ञान विभाग व सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ द्वारा आज सावरकर, विभाजन और राष्ट्रीय सुरक्षा पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसकी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की जबकि मुख्य अतिथि के रूप में लेखक, इतिहासकार व केंद्रीय सूचना आवुक्त उदय महुकर उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता ने वीर सावरकर को भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा का पितामह बताया और कहा कि उनकी छवि को निरंतर धूमिल करने के प्रयास इसलिए किए जाते हैं क्योंकि भारत की एकता, अखंडता व सुरक्षा के विरुद्ध सक्रिय ताकतें नहीं चाहती हैं कि वीर सावरकर की राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सोच जन-जन तक पहुंचे।

कार्यक्रम का शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलपति व दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने स्वागत



कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री उदय महुकर को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

भाषण प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज बेहद जरूरी है कि हम अपने सही इतिहास को जाने। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के आयोजन अवश्य ही विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व अन्य सभी सहभागियों को वह अवसर प्रदान करते हैं कि वे इतिहास के सही पक्षों को जाने-समझे और उनके माध्यम से एक सही सोच कायम करें। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि अवश्य ही इनके माध्यम से भी विद्यार्थियों को आजादी के सही मायने समझने में मदद मिली होगी। कुलपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

द्वारा दिए गए विकसित राष्ट्र के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हम सभी को एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा।

मुख्य वक्ता उदय महुकर ने बताया कि किस तरह से वीर सावरकर ने इसकी भविष्यवाणी पूर्व में ही कर दी थी। उन्होंने कहा कि सावरकर राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के विद्वान थे और उन्होंने पड़ोसी मुल्कों से सुरक्षा के लिए आवश्यक सैन्य शक्ति के विकास की बात बहुत पहले ही कर दी थी। उन्होंने उत्तर-पूर्व में घुसपैठ के खतरे की भविष्यवाणी 1940 में, चीन से खतरे की भविष्यवाणी 1952 में ही

कर दी थी। जिसकी ओर ध्यान देने के परिणामस्वरूप हमें चीन से हारना पड़ा। सावरकर सदैव देश के आर्थिक व सांस्कृतिक रूप से सुदृढ़ होने के साथ-साथ सैनिक शक्ति के मोर्चे पर भी मजबूती के पक्षधर थे। उदय महुकर ने सावरकर को बदनाम करने के पीछे की वजह का उल्लेख करते हुए कहा कि वही लोग सावरकर पर आक्षेप लगाते हैं जो भारत के विभाजन के पक्षधर हैं। सावरकर सदैव अखण्ड भारत के पक्षधर रहे। इस आयोजन के अंतर्गत सूचना का अधिकार अधिनियम पर भी चर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी डॉ. राजीव कुमार सिंह तथा आयोजन सचिव सह-आचार्य डॉ. शातिश कुमार सिंह थे। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राजीव कुमार सिंह ने दिया।

राष्ट्रीय सुरक्षा विद्वान थे सावरकर: उदय हकेंवि में सावरकर के जीवन और राष्ट्रीय सुरक्षा पर व्याख्यान

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के राजनीति विज्ञान विभाग व सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ की ओर से बुधवार को सावरकर, विभाजन और राष्ट्रीय सुरक्षा पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की जबकि मुख्य अतिथि के रूप में लेखक, इतिहासकार व केंद्रीय सूचना आयुक्त उदय महुकर उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज बेहद जरूरी है कि हम अपने सही इतिहास को जानें। इस तरह के आयोजन अवश्य ही विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व अन्य सभी सहभागियों को वह अवसर प्रदान करते हैं कि वे इतिहास के सही पक्षों को जाने-समझें और उनके माध्यम से एक सही सोच कायम करें।



मुख्यातिथि उदय महुकर को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

मुख्य वक्ता उदय महुकर ने कहा कि किस तरह से वीर सावरकर ने इसकी भविष्यवाणी पूर्व में ही कर दी थी। सावरकर राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के विद्वान थे और उन्होंने पड़ोसी मुल्कों से सुरक्षा के लिए आवश्यक सैन्य शक्ति के विकास की बात बहुत पहले ही कर दी थी। सावरकर सदैव देश के आर्थिक व सांस्कृतिक रूप से सुदृढ़ होने के

साथ-साथ सैनिक शक्ति के मोर्चे पर भी मजबूती के पक्षधर थे। सावरकर को बदनाम करने के पीछे की वजह का उल्लेख करते हुए कहा कि वही लोग सावरकर पर आक्षेप लगाते हैं जो भारत के विभाजन के पक्षधर हैं। इस मौके पर डॉ. राजीव कुमार सिंह, डॉ. शांतिश कुमार सिंह उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar

Date: 18-08-2022

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के पितामह थे वीर सावरकर : उदय महुकर

हर्केवि में सावरकर, विभाजन और राष्ट्रीय सुरक्षा पर व्याख्यान व आरटीआई एक्ट पर चर्चा हुई

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हर्केवि, महेंद्रगढ़ के राजनीति विज्ञान विभाग व सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ द्वारा बुधवार को सावरकर, विभाजन और राष्ट्रीय सुरक्षा पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की जबकि मुख्य अतिथि के रूप में लेखक, इतिहासकार व केंद्रीय सूचना आयुक्त उदय महुकर उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता ने अपने संबोधन में वीर सावरकर को भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा का पितामह बताया और कहा कि उनकी छवि को निरंतर धूमिल



करने के प्रयास इसलिए किए जाते हैं क्योंकि भारत की एकता, अखंडता व सुरक्षा के विरुद्ध सक्रिय ताकतें नहीं चाहती हैं कि वीर सावरकर की राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सोच जन-जन तक पहुंचे। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलपति व दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके

पश्चात राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आजादी और इसके महत्व पर प्रकाश डाला।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के आयोजन अवश्य ही विद्यार्थियों,

शोधार्थियों, शिक्षकों व अन्य सभी सहभागियों को वह अवसर प्रदान करते हैं कि वे इतिहास के सही पक्षों को जाने- समझे और उनके माध्यम से एक सही सोच कायम करें।

कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी डॉ. राजीव कुमार सिंह तथा आयोजन सचिव सह-आचार्य डॉ. कांतिश कुमार सिंह थे। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राजीव कुमार सिंह ने दिया।

देश के आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से सुदृढ़ होने के पक्षधर थे सावरकर

हर्केवि में आयोजित व्याख्यान को इतिहासकार **उदय महुकर** ने किया संबोधित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हर्केवि), महेंद्रगढ़ के राजनीति विज्ञान विभाग व सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ द्वारा बुधवार को सावरकर, विभाजन और राष्ट्रीय सुरक्षा पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की जबकि मुख्य अतिथि के रूप में लेखक, इतिहासकार व केंद्रीय सूचना आयुक्त उदय महुकर उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता ने अपने संबोधन में वीर सावरकर को भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा का पितामह बताया और कहा कि उनकी छवि को निरंतर धूमिल करने के प्रयास इसलिए किए जाते हैं। क्योंकि भारत की एकता, अखंडता व सुरक्षा के विरुद्ध सक्रिय ताकतें नहीं चाहती हैं कि वीर सावरकर की राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सोच जन-जन तक पहुंचे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज बेहद जरूरी है कि हम अपने सही इतिहास को जानें। विश्वविद्यालय में इस तरह के आयोजन अवश्य ही विद्यार्थियों,



हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उदय महुकर को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार (बाएं से दूसरे) ● सौ. हर्केवि

शोधार्थियों, शिक्षकों व अन्य सभी सहभागियों को वह अवसर प्रदान करते हैं कि वे इतिहास के सही पक्षों को जाने-समझें और उनके माध्यम से एक सही सोच कायम करें। कुलपति ने इस अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव अधियान के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि अवश्य ही इनके माध्यम से भी विद्यार्थियों को आजादी के सही मायने समझने में मदद मिली होगी। प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए विकसित राष्ट्र के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हम सभी को एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा।

उदय महुकर ने अपने संबोधन में भारत के विभाजन और उसके लिए जिम्मेदार कांग्रेस और अन्य ताकतों का उल्लेख करते हुए बताया कि किस तरह से वीर सावरकर ने इसकी भविष्यवाणी पूर्व में ही कर दी थी। सावरकर राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के विद्वान थे और उन्होंने पड़ोसी मुल्कों से सुरक्षा के लिए आवश्यक सैन्य शक्ति के विकास की बात बहुत पहले ही कर दी थी। उन्होंने उत्तर-पूर्व में घुसपैठ के खतरे की भविष्यवाणी 1940 में, चीन से खतरे की भविष्यवाणी 1952 में ही कर दी थी। जिसकी ओर ध्यान देने के परिणामस्वरूप हमें चीन से हारना

पड़ा। सावरकर सदैव देश के आर्थिक व सांस्कृतिक रूप से सुदृढ़ होने के साथ-साथ सैनिक शक्ति के मोर्चे पर भी मजबूती के पक्षधर थे। कुछ लोग वीर सावरकर पर आक्षेप लगाते हैं कि वह भारत के विभाजन के पक्षधर थे, जबकि सच्चाई यह है कि सावरकर सदैव अखण्ड भारत के पक्षधर रहे।

उनकी दूरदर्शिता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध में हिंदुओं को सैन्य प्रशिक्षण के लिए प्रेरित किया और इसके पीछे का कारण था कि वे विभाजन के बाद होने वाली भारत पाकिस्तान के बीच पैदा होने वाले हालातों को पहले ही भांप चुके थे। सावरकर किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं थे। सूचना का अधिकार अधिनियम पर चर्चा कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी डा. राजीव कुमार सिंह तथा आयोजन सचिव सह-आचार्य डा. शांतेश कुमार सिंह थे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डा. राजीव कुमार सिंह ने दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times

Date: 18-08-2022

Expert lecture on Savarkar, Partition and National Security in CUH



Param Vashisht
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : Expert lecture on Savarkar, Partition and National Security was organized by the Department of Political Science and Right to Information Cell of Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh on Wednesday. The program was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar while Author, Historian and Central Information Commissioner Mr. Uday Mahukar was present as the Chief Guest. The keynote speaker in his address described Veer Savarkar as the father of Indian national security and said that efforts are constantly being made to manglise his image because certain kind of forces are active against the unity, integrity and security of India who do not want Veer Savarkar's thinking about

national security should reach the people. Dr. Ramesh Kumar, HoD, Department of Political Science, presented the welcome address in the program. Prof. Tankeshwar Kumar said that today it is very important that we know our true history. The Vice Chancellor said that such events in the University definitely provide opportunity to the students, research scholars, teachers and all other participants to understand the right aspects of history and create a right thinking through them. Referring to the resolution of a developed nation given by Prime Minister Shri Narendra Modi, the Vice Chancellor said that we all have to move forward unitedly to achieve this goal. The keynote speaker of the program, Mr. Uday Mahukar, in his address, while mentioning the partition of India and the Congress and other forces responsible for it, told how Veer Savarkar had predicted it in the past.

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के पितामह थे वीर सावरकर: उदय महुकर

■ हर्केवि में सावरकर, विभाजन और राष्ट्रीय सुरक्षा पर व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़, 17 अगस्त (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हर्केवि), महेंद्रगढ़ के राजनीति विज्ञान विभाग व सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ द्वारा बुधवार को सावरकर, विभाजन और राष्ट्रीय सुरक्षा पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की जबकि मुख्यातिथि के रूप में लेखक, इतिहासकार व केंद्रीय सूचना आयुक्त उदय महुकर उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता ने अपने संबोधन में वीर सावरकर को भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा का पितामह बताया और कहा कि उनकी छवि को निरंतर धूमिल करने के प्रयास इसलिए किए जाते हैं क्योंकि भारत की एकता, अखंडता व सुरक्षा के विरुद्ध सक्रिय ताकतें नहीं चाहती हैं कि वीर सावरकर की राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सोच जन-जन तक पहुंचे।



कार्यक्रम के मुख्यातिथि उदय महुकर को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत व दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में आजादी और इसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज बेहद जरूरी है कि हम अपने सही इतिहास को जानें।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के आयोजन अवश्य ही विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व अन्य सभी सहभागियों को वह अवसर प्रदान करते हैं कि वे इतिहास के सही पक्षों

को जाने-समझें और उनके माध्यम से एक सही सोच कायम करें।

विश्वविद्यालय कुलपति ने इस अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि अवश्य ही इनके माध्यम से भी विद्यार्थियों को आजादी के सही मायने समझने में मदद मिली होगी। कुलपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए विकसित राष्ट्र के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हम सभी को एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता उदय महुकर ने अपने संबोधन में भारत के विभाजन और उसके लिए जिम्मेदार

सावरकर सदैव अखंड भारत के पक्षधर रहे

उदय महुकर ने सावरकर को बदनाम करने के पीछे की वजह का उल्लेख करते हुए कहा कि वही लोग सावरकर पर आक्षेप लगाते हैं जो भारत के विभाजन के पक्षधर हैं।

सावरकर सदैव अखंड भारत के पक्षधर रहे। उनकी दूरदर्शिता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध में हिंदुओं को सैन्य प्रशिक्षण के लिए प्रेरित किया और इसके पीछे का कारण था कि वे विभाजन के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच पैदा होने वाले हालातों को पहले ही भांप चुके थे।

इसी क्रम में उदय महुकर ने हिंदुत्व के विचार को भी प्रस्तुत किया और बताया कि यह किसी धर्म विशेष

के खिलाफ नहीं है बल्कि सभी धर्मों को स्वीकार करते हुए राष्ट्रवादी विचार का पक्षधर है।

इस आयोजन के अंतर्गत सूचना का अधिकार अधिनियम पर भी चर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी डॉ. राजीव कुमार सिंह तथा आयोजन सचिव सह-आचार्य डॉ. शांति कुमार सिंह थे। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राजीव कुमार सिंह ने दिया।

कांग्रेस और अन्य ताकतों का उल्लेख करते हुए बताया कि किस तरह से वीर सावरकर ने इसकी भविष्यवाणी पूर्व में ही कर दी थी।

उन्होंने कहा कि सावरकर राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के विद्वान थे और उन्होंने पड़ोसी मुल्कों से सुरक्षा के लिए आवश्यक सैन्य शक्ति के विकास की बात बहुत पहले ही कर दी थी।

उन्होंने उत्तर-पूर्व में घुसपैठ के खतरे की भविष्यवाणी 1940 में, चीन से खतरे की भविष्यवाणी 1952 में ही कर दी थी। जिसकी ओर ध्यान देने के परिणामस्वरूप हमें चीन से हारना पड़ा। सावरकर सदैव देश के आर्थिक व सांस्कृतिक रूप से सुदृढ़ होने के साथ-साथ सैनिक शक्ति के मोर्चे पर भी मजबूती के पक्षधर थे।